मोहे सांवरा पसंद आ गया

^देख, छवि साँवरी सी,
मैं तो, हुई बाँवरी सी ॥,,
मेरे मन को, व्ही भा गया,,,
मोहे, सांवरा पसंद आ गया ॥

यमुना तट पे, बंसी वट पे,
दिखने लगा वोह, हर पनघट पे ॥
^वोह मेरे, आगे पीछे डोले,
मोहे, गोपी गोपी बोले।
मीठी बंसी, सुना वोह गया,,,
मोहे, सांवरा पसंद आ गया ॥

मुरली मनोहर, नटवर सुंदर,
मन को चुरा ले एक नज़र पर ॥
^मेरे नैनो में समाए,
मेरी नींदों में भी आए।
मेरे रोमों में रमता गया,,,
मोहे सांवरा पसंद आ गया ॥

देखा जो रूप तेरा, कमली सी हो गई,
कमली सी हो गई, पगली सी हो गई ॥
^ओ तेरा, नखसख श्रृंगार,
तेरे, नैनों में प्यार।
मेरे, ह्रदय में बस्ता गया,,,
मोहे, सांवरा पसंद आ गया ॥

^देख, छवि साँवरी सी,
मैं तो, हुई बाँवरी सी ॥,,
मेरे, मन को व्ही भा गया,,,
मोहे, सांवरा पसंद आ गया ॥

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28409/title/mohe-sanwra-pasand-aa-gya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |